Setting up of mineral-based industries in Orissa

2430. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal to set up some mineral-based units in Orissa during the Eighth Plan;

(b) if so, the number of such units proposed to be set up; and

(c) the places identified for the location of these units?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) to (c) Most of the mineral-based industries are delicenced, for which no approval under the Industries (Development & Regulation) Act is necessary. For mineral-based industries retained under compulsory licensing, (including otherwise licensable cases), at present no application for industrial licence for setting up of mineral-based industry under Industries (Development & Regulation) Act in Orissa is under consideration of the Government.

Assistance for Indian Scientists for participating in International Conferences

2431. SHRI SARADA MOHANTY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the Indian Scientists who are working on Educational Academic Institutions and Natioanl Laboratories are granted assistance for participating in international conferences;

(b) if so, the number of Scientists have availed such opportunities during last three years; and

(c) the amount of assistance granted for them during those three years?

THE MINISTER OF STATE IN PRIME MINISTER'S OFFICE AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF ATOMIC ENERGY, SPACE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) About 2800 Scientists were supported and an assistance of Rs. 300 lakhs granted during the last three years.

दवा बनाने हेतु जड़ी-बूटियों पर गहन अनुसंधान

2432. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या स्वास्थ्य विभाग ने दवा बनाने हेतु देश के वनों में पायी जाने वाली जड़ी-बूटियों की गहन खोज-बीन की है;

(ख) यदि हां, तो इस कार्य में किन-किन जड़ी-बूटियों की खोज की गई और उनसे कौन-कौन सी दवायें बनायी जायेंगी;

(ग) इन जड़ी-बूटियों से दवा बनाने हेतु देश के किन-किन राज्यों में छोटे या बड़े औषध एकक लगाए गए हैं; और

(घ) सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र के दवा बनाने वाले एककों की स्थिति क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा० सी० सिल्वेरा): (क) और (ख) जी, हां, इस प्रयोजन के लिए विभिन्न संगठनों द्वारा सर्वेक्षण किये गए हैं। केन्द्रीय आयुर्वेद और सिद्ध अनुसंधान परिषद्, जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक संगठन है, ने विभिन्न राज्यों में 350 वन्य-क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया है और लगभग 1.20,000 जड़ी बूटियों के नमूने एकत्र किए हैं। लगभग 400 औषध प्रजातियां हैं (उनमें से कुछ विवरण में सूचीबद्ध हैं) (नीचे देखिए) जिनका उल्लेख आयुर्वेदिक ग्रंथों में मिलता है। इन जड़ी बूटियों का आसावों, अरिष्टों, अवलेहों, चूर्णों, क्वाथों, बटी आदि श्रेणी के अधीन शामिल विभिन्न औषधें तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।